दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनाँक 16 दिसंबर 2021

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

बांग्लादेश के स्वर्ण जयंती और भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया

गोरखपुर दिनांक : 16 दिसंबर 2021 को दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा बांग्लादेश के स्वर्ण जयंती और भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि कर्नल सी.पी. सिंह, कमांडिंग ऑफिसर, प्रवर्तन दल, गोरखपुर ने कहा कि राजनीतिक रूप से 1971 का भारत-पाक युद्ध जनवरी 1971 में ही प्रारंभ हो गया था । जिसका परिणाम 16 दिसंबर 1971 को मिला। जिसमें एक तरफ उन्होंने पाकिस्तान के जनरल याहियां खान का जिक्र करते हुए उसे क्रूर और तानाशाह बताया। वहीं पर आवामी लीग के मुखिया मुजीब-उर-रहमान को जनता का हितैषी बताया। बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों का जिम्मेदार लेफ्टिनेंट जनरल टिक्का खान को को बताया। इन सब को देखते हुए मार्च 1971 में भारत के प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक मीटिंग किया जिसमें भारतीय सेना को 6 महीने का समय युद्ध की तैयारी के लिए दिया गया। युद्ध में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मुक्ति वाहिनी ने निभाया जिसमें भारतीय सेना को सहायता प्राप्त हुई, जिससे एक नए देश बांग्लादेश का उदय हुआ और विश्व में ऐसा पहली बार हुआ कि 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों का आत्मसमर्पण कराया गया और भारत एक सशक्त देश के रूप में विश्व मंच पर सामने आया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व प्राचार्य, दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ने 1971 के युद्ध को विस्तार से बताते हुए उसके राजनीतिक महत्व एवं विश्व में भारत की बढ़ती शक्ति को व्याख्यायित किया। जिससे उसका प्रभाव पुरे विश्व पर पड़ा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने अध्यक्षीय उद्धबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विजय दिवस पर बोलते हुए 1971 के राजनीतिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ, अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश रूस की वीटो के कारण निष्क्रिय रह गए। जो अगस्त 1971 के भारत-रूस मैत्री संधि का परिणाम था।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथि का स्वागत रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने किया तथा आभार ज्ञापन विभागीय शिक्षक विकास कुमार पाठक ने किया उक्त अवसर पर डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ.कमलेश कुमार मौर्य, एन.सी.सी. कैडेट व विभागीय छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ. राम प्रसाद यादव
प्रभारी, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग